CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 28 ▫ अंक- 190 ▫ रायपुर, रविवार 3 अगस्त 2025 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

रायपुर–जबलपुर के बीच शुरू हुई इंटरसिटी ट्रेन सेवा, सीएम साय ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर, 3 अगस्त (हाईवे चैनल)। रायपुर और जबलपुर के बीच इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन सेवा की आज रायपुर रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की. इस अवसर पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से), विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक मोतीलाल साहू, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश, आरपीएफ आईजी मुन्नवर खुर्शीद व मंडल रेल प्रबंधक दयानंद मौजूद थे. इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई रेल सेवा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का प्रदेश की तीन करोड़ जनता की ओर से धन्यवाद देते हुए कहा कि बीते एक दशक में छत्तीसगढ़ का रेल बजट 21 गुणा बढ़ा है. 2025-26 के बजट में छत्तीसगढ़ 69 सौ करोड़ रुपए का है. बीते एक दशक में 47 हजार 447 करोड़ रुपए की रेल परियोजनाएं चल रही है।

उन्होंने कहा कि अमृत भारत योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों का 1680 करोड़ रुपए रेल मंत्रालय से मिला है. प्रदेश के रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प हो रहा है. उन्हें विश्व स्तरीय बनाया जा रहा है. रायपुर से जबलपुर जाने के लिए पहले एक ही रेल सुविधा था, लेकिन अब इस नई सौगात से दूसरी सेवा छत्तीसगढ़ के लोगों को मिल रहा है. इससे हमारे बड़े भाई मध्यप्रदेश से हमारा प्रेम बढ़ेगा. इससे डोंगरगढ़ जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा होगी. इस अवसर पर रीवा-पुणे (हड़पसर) एक्सप्रेस और भावनगर टर्मिनस-अयोध्या एक्सप्रेस का भी रींवा व भावनगर से शुभारंभ किया गया. भावनगर स्टेशन व रीवा स्टेशन में क्रमशः गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उपस्थित होकर इन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।रेलवे प्रशासन ने रायपुर-जबलपुर के बीच चलने वाली नई ट्रेन की समय-सारणी जारी कर दी है. यह ट्रेन प्रतिदिन चलेगी. रायपुर-जबलपुर-रायपुर के बीच चलने वाली नियमित इंटरसिटी एक्सप्रेस में कुल 15 कोच होंगे. इनमें 1 पावर कार, 1 एसएलआरडी, 8 सामान्य श्रेणी के कोच, 4 चेयर कार तथा 1 एसी चेयर कार शामिल हैं। जबलपुर-रायपुर (गाड़ी संख्या 11702) जबलपुर से सुबह 6 बजे रवाना होगी. मदनमहल 6ः10 बजे पहुंचेगी. इसके बाद कच्चपुरा 6ः25 बजे, नैनपुर 7ः55 बजे, बालाघाट 9ः22 बजे, गोंदिया 10ः10 बजे, डोंगरगढ़ 11ः33 बजे, राजनांदगांव 11ः58 बजे, दुर्ग दोपहर 1 बजे और फिर रायपुर 1ः50 बजे पहुंचेगी। रायपुर-जबलपुर (गाड़ी संख्या 11701) ट्रेन रायपुर से दोपहर 2ः45 बजे रवाना होगी. यह ट्रेन दुर्ग 3ः22 बजे, राजनांदगांव 3ः48 बजे, डोंगरगढ़ 4ः13 बजे, गोंदिया 3ः50 बजे, बालाघाट 6ः50 बजे, नैनपुर 8ः15 बजे, कछपुरा 10ः10 बजे, मदनमहल 10ः32 बजे और जबलपुर 10ः45 बजे पहुंचेगी. जबलपुर-रायपुर ट्रेन 7 घंटे 50 मिनट में रायपुर पहुंचेगी. जबकि रायपुर-जबलपुर ट्रेन 8 घंटे में जबलपुर पहुंचेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

अग्रिम जमानत याचिका की दायर

रायपुर, 3 अगस्त (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गिरफ्तारी से बचने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है. शराब, कोयला और महादेव सट्टा एप जैसे मामलों में नाम सामने आने के बाद पूर्व सीएम बघेल ने अग्रिम जमानत याचिका दायर की है. केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय की शक्तियों और अधिकार क्षेत्र को चुनौती दी गई है. याचिका में पूर्व सीएम बघेल ने मांग की है कि उन्हें इन मामलों में गिरफ्तार न किया जाए और जांच में सहयोग करने का अवसर दिया जाए. सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सोमवार को सुनवाई होनी है.

भूपेश बघेल ने अपनी याचिका में उल्लेख किया कि जिस तरह उनके बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी राजनीतिक द्वेष के तहत की गई, उसी तरह उन्हें भी निशाना बनाया जा सकता है. आशंका जताई है कि केंद्रीय एजेंसियां राजनीतिक प्रतिशोध के तहत कार्रवाई कर सकती है. पूर्व सीएम बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की दाखिल जमानत याचिका पर भी सुप्रीम कोर्ट सुनवाई होनी है. चैतन्य की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि न तो उनका नाम श्वष्ठ की एफआईआर में है और न ही किसी के बयान में, इसके बावजूद राजनीतिक द्वेष के तहत उनकी गिरफ्तारी की गई. फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं. उनका नाम ईडी की एफआईआर में नहीं है.

चैतन्य बघेल की जमानत याचिका पर भी होगी सुनवाई

ब्रेकिंग न्यूज

कोरेगांव भीमा हिंसा : जांच आयोग को रिपोर्ट सौंपने के लिए 31 अक्टूबर तक का समय

नई दिल्ली, 3 अगस्त (न्यूज चैनल)। महाराष्ट्र सरकार ने पुणे जिले के कोरेगांव भीमा गांव में एक जनवरी 2018 को हुई हिंसा की तफ्तीश कर रहे जांच आयोग को तीन महीने का नया विस्तार दिया है। अधिकारियों ने बताया कि कोरेगांव भीमा जांच आयोग को पहले 31 जुलाई तक का विस्तार दिया गया था। अब आयोग को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए 31 अक्टूबर तक का विस्तार दिया गया है। पुणे में एल्गार परिषद सम्मेलन के एक दिन बाद एक जनवरी, 2018 को पुणे जिले के कोरेगांव भीमा युद्ध स्मारक के पास हिंसा भड़क उठी थी। दलित बड़ी संख्या में इस स्मारक पर आते हैं क्योंकि यह 1818 में पुणे के ब्राह्मण पेशवा शासकों की सेना पर ब्रिटिश सेना की विजय का स्मरण कराता है। ब्रिटिश सेना में दलित सैनिक भी शामिल थे। कलकत्ता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश जे एन पटेल और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव सुमित मलिक का दो सदस्यीय आयोग उन परिस्थितियों की जांच कर रहा जिनकी वजह से हिंसा हुई थी।

पुलिस और भारतीय सेना का बड़ा ऑपरेशन जारी, 3 आतंकी ढेर।

नई दिल्ली, 3 अगस्त (न्यूज चैनल)।जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के अखल देवसर इलाके में तीसरे दिन भी आतंकियों से मुठभेड़ जारी है। आज तीसरे दिन एक और आतंकवादी मारा गया है। शनिवार को दो आतंकी मारे गए थे।जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों ने कुलगाम जिले में शनिवार को लश्कर-ए-ताइबा के हारिस नजीर समेत दो आतंकियों को मार गिराया था। ये जिले में अखल के जंगल में छिपे थे। इसमें एक सैन्य अधिकारी के घायल होने की भी सूचना है। उन्हें श्रीनगर में सेना के 92 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्षेत्र में और आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका के चलते सैन्य ऑपरेशन जारी है। शनिवार की रात में गोलीबारी होती रही। शनिवार को पुलिस के एक अधिकारी ने दो आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि की। ड्रोन से दोनों के शव जंगल में पड़े देखे गए हैं। हारिस को सुबह मार गिराया गया तो दूसरे आतंकी को दोपहर को ढेर कर दिया गया। जबकि तीसरे आतंकी को रविवार को मारा गया।

हारिस पुलवामा के कच्चीपोरा का रहने वाला था। वह लश्कर के सी श्रेणी का आतंकी था। हारिस 24 जून 2023 में आतंकी बना था। बायसरन आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की ओर से जारी 14 आतंकियों की सूची में हारिस का भी नाम था। दूसरे आतंकी की देर रात तक पहचान नहीं हो पाई थी। सैन्य ऑपरेशन से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे देवसर में अखल के जंगल में चार से पांच आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सेना की 9 राष्ट्रीय राइफल्स ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी), कुलगाम पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों के साथ तलाशी अभियान शुरू किया।

नहर में गिरी बोलेरो, नहीं खुला गेट, 11 लोगों की दर्दनाक मौत

पृथ्वीनाथ मंदिर के दर्शन करने जा रहे थे

नई दिल्ली, 3 अगस्त (न्यूज चैनल)। उत्तर प्रदेश के गोंडा में दर्दनाक सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई है. गोंडा के पृथ्वी नाथ मंदिर दर्शन करने जा रही बोलेरो कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई. मौके पर ही 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है. मृतक थाना मोतीगंज के सिहागांव के निवासी हैं. ये सड़क हादसा इटियाथोक थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलवा बहुता रेहरा मोड के पास हुआ है. हादसे में जिनकी मौत हुई हैं, उनमें 5 महिलायें और 6 पुरुष हैं. ड्राइवर की जान बच गई है. भारी बारिश के बीच गोंडा में बोलेरो बेकाबू होकर सरयू नहर में गिर गई. इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जो अधिकतर एक ही परिवार के हैं. बोलेरो में कुल 15 लोग सवार थे. ये सभी लोग सावन के महीने में पृथ्वीनाथ मंदिर जल चढ़ाने जा रहे थे. मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि बोलेरो गाड़ी का गेट नहीं खुल रहा था. लोग अंदर जान बचाने की गुहार लगा रहे थे. कार का शीशा तोड़ कर लोगों को गाड़ी के अंदर से निकाला गया.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गोंडा में हुए सड़क हादसे का तुरंत संज्ञान लिया. सीएम योगी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है. साथ ही घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं. इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोंडा जिले में हुए दर्दनाक सड़क हादसे पर संज्ञान लिया है.

इंडिया गठबंधन की 7 अगस्त को बड़ी बैठक

नई दिल्ली, 3 अगस्त (न्यूज चैनल)।इंडिया गठबंधन के नेताओं की बड़ी बैठक सात अगस्त को बुलाई गई है. सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में गठबंधन के ज्यादातर प्रमुख चेहरे शामिल होंगे. बैठक के बाद डिनर का भी कार्यक्रम रखा गया है. इस डिनर बैठक के लिए राहुल गांधी ने सहयोगी दलों के नेताओं को न्यौता दिया है. राहुल गांधी के नए सरकारी आवास पांच सुनहरी बाग रोड पर यह डिनर-बैठक हो सकती है.

माना जा रहा है कि इस बैठक में मुख्य रूप से चुनाव आयोग द्वारा करवाए जा रहे वोटरलिस्ट के विशेष सघन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रकिया के खिलाफ़ रणनीति बनाई जाएगी. इस मुद्दे पर संसद में चर्चा की माँग को लेकर इंडिया गठबंधन के सांसद मानसून सत्र के पहले दो सप्ताह में रोजाना प्रदर्शन करते आए हैं जो आगे भी जारी रहेगा. अगले हफ़्ते आठ अगस्त को विपक्षी सांसद संसद भवन से चुनाव आयोग तक मार्च निकालने की तैयारी कर रहे हैं.

हॉस्टल अधीक्षकों को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

पदोन्नत अधीक्षकों की पदस्थापना प्रक्रिया पर जताई नाराजगी चार सप्ताह में आवेदनों के निराकरण के दिए निर्देश

बिलासपुर, 3 अगस्त (हाईवे चैनल)। हाईकोर्ट ने कबीरधाम जिले में संचालित आदिवासी व अनुसूचित जाति छात्रावासों और आश्रमों में वर्षों से कार्यरत अधीक्षकों को बड़ी राहत दी है. कोर्ट ने इन अधीक्षकों के स्थानांतरण और उनके स्थान पर पदोन्नत अधीक्षकों की पदस्थापना की प्रक्रिया पर असंतोष जताते हुए आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग को निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत पृथक-पृथक आवेदन पत्रों का निराकरण नियमानुसार आदेश की प्रति प्राप्ति के चार सप्ताह के भीतर किया जाए. इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की एकलपीठ में हुई।

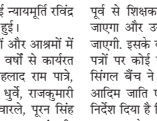

कबीरधाम जिले के छात्रावासों और आश्रमों में वर्ष 2015 से पूर्व से अथवा कई वर्षों से कार्यरत अधीक्षक जिनमें अनीता धुर्वे, प्रहलाद राम पात्रे, माया दर्रो, जयंती मेरावी, भेजंती धुर्वे, राजकुमारी बंजारे, बसंती बंजारे, चंपा देवी वारले, पूरन सिंह पोर्ते, गणपत दास बघेल, मनोज कुमार मंडावी, लखनलाल वारते, छोटा सिंह चिचाम, प्रकाश टेकाम, दीपकला पातरे, सुनीता सोनवानी, नर्मदा मरावी एवं नंदकुमार मरावी शामिल हैं. उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की, जिसमें कहा गया कि वे लंबे समय से प्रभारी अधीक्षक के रूप में कुशलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं, इसके बावजूद विभाग ने उन्हें हटाकर हाल ही में पदोन्नत अधीक्षकों को उनके स्थान पर पदस्थ किया जा रहा है। यह कार्यवाही विभाग द्वारा 10 जून 2025 को जारी दिशा-निर्देशों की कंडिका 03 के विपरीत है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि जिन आश्रमों और छात्रावासों में वर्ष 2015 के पूर्व से शिक्षक कार्यरत हैं, उन्हें रिक्त नहीं माना जाएगा और उन्हें हटाने की प्रक्रिया नहीं अपनाई जाएगी. इसके बावजूद याचिकाकर्ताओं के आवेदन पत्रों पर कोई सुनवाई नहीं की गई. हाईकोर्ट की सिंगल बैंच ने याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए आदिम जाति एवं आदिवासी विकास विभाग को निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ताओं के आवेदनों का 4 सप्ताह के भीतर नियमानुसार निराकरण किया जाए।

प्रयोगशाला परिचारक बनने हजारों युवाओं ने दी परीक्षा सख्त नियमों से कई परीक्षार्थी हुए परेशान

हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े, फुटवियर के रूप में चप्पल के साथ ही दिया गया प्रवेश

धमतरी, 3 अगस्त (हाईवे चैनल)। व्यापंम व्दारा आज प्रदेश भर में प्रयोगशाला परिचारक लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसके तहत धमतरी जिला में आज परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।

आज एक पॉली में प्रातः 11 बजे से दोपहर 1.15 बजे तक जिले के 16 केन्द्रों में परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें कुल 5064 परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था की गई थी। परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रातः 9 बजे से प्रातः 10.30 बजे तक प्रवेश दिया गया। परीक्षार्थियों के लिए प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र के लिए आधार कार्ड, ड्राईविंग लायसेंस, पेनकार्ड, पासपोर्ट आदि में से कोई एक फोटोयुक्त पहचान पत्र की ओरिजनल कॉपी परीक्षा केन्द्र में लेकर आना अनिवार्य किया गया था। जिसका पालन परीक्षार्थियों ने किया। परीक्षा केन्द्र में मोबाईल एवं अन्य इलेक्ट्रिानिक उपकरण प्रतिबंधित रहा। परीक्षा के लिए डॉ. विनोद पाठक समन्वयक एवं अपर कलेक्टर पवन कुमार प्रेमी को नोडल अधिकारी बनाया गया था। परीक्षा संचालन के लिए समन्वयक केन्द्र पीजी महाविद्यालय धमतरी एवं जिला नोडल अधिकारी व्दारा पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए थे। इसके अलावा जिला प्रशासन व्दारा उड़नदस्ता दल का भी गठन किया गया था। शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था उक्त केन्द्रों में की गई थी।

उल्लेखनीय है कि व्यापम द्वारा परीक्षा हेतु कई नये सख्त नियम लागू किये गये है जिसका पालन आज भी परीक्षा केन्द्रो में कराया गया। जिसके तहत हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने परीक्षार्थी पहुंचे। फुटवियर के रूप में चप्पल के साथ ही प्रवेश दिया गया। परीक्षार्थियों के काम में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित रहा। वहीं गले में माला, हाथ में कलावा, या धागे, अगुंठी सहित शहर में कोई भी आभूषण के साथ प्रवेश पर रोक रहा। आज की परीक्षा में कई परीक्षार्थी सख्ती नियमों का पालन नहीं कर पाये ऐसे में उन्हें परीक्षा केन्द्र से लौटाकर नियमों का पालन कर आने का निर्देश दिया गया जिससे कुछ परीक्षार्थी परीक्षा देने से वंचित भी रह गये।

ऑपरेशन मुस्कान में दुर्ग पुलिस राज्य में नंबर वन पर, 181 लापता बच्चे बरामद

दुर्ग, 3 अगस्त (हाईवे चैनल)। ऑपरेशन मुस्कान अभियान में दुर्ग पुलिस को राज्य स्तर पर सर्वाधिक सफलता मिली है। अभियान ऑपरेशन मुस्कान में दुर्ग पुलिस द्वारा दीगर राज्य से २८ एवं राज्य से १५३ कुल १८१ बच्चों को बरामद कर राज्य स्तर में प्रथम स्थान पर है। दीगर राज्य से २८ बच्चों को किया गया दस्तयाब क्रमशः महाराष्ट्र-१५, मध्यप्रदेश-०४, उत्तर प्रदेश-०२ उड़ीसा-०२, बिहार-०१, राजस्थान-०१, झारखण्ड-०१, तेलगांना ०१ एवं आंध्रप्रदेश-०१ बच्चों को बरामद किया गया। प्रत्येक थानों से टीम गठन कर थाना सुपेला-०८, नंदनी-०३, कुंहारी-०३, भिलाई भट्टी -०३, वैशाली नगर-०३, जामुल-०१, धमवा-०१, मोहन नगर-०१, पाटन-०१, पुलगांव-०१, उतई-०१, छावनी-०१ एवं दुर्ग-०१ द्वारा दीगर राज्यों से बच्चों की पतासाजी की गई। तकनीकी सहायता के आधार पर अन्य राज्यों से बच्चों को बरामद करने पुलिस टीम को सफलता मिली। जीआरपी एवं रेलवे पुलिस का अभियान में विशेष सहयोग मिला। सर्वाधिक थाना सुपेला-२५, थाना जामुल १९ एवं थाना खुर्सीपार १६ बच्चों को बरामद किया गया।

दुर्ग पुलिस बच्चों की सुरक्षा को लेकर लगातार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में गुम इंसान विशेष कर गुम बच्चों के पता तलाश हेतु ऑपरेशन मुस्कान चलाया जाता है, जिसके अच्छे परिणाम देखने को मिले है। ऑपरेशन मुस्कान की सफलता को देखते हुए शासन के मंशा अनुरुप पुलिस महानिदेशक छ्यांसगढ़ महोदय द्वारा बच्चों के खोजबीन हेतु आपरेशन मुस्कान के रुप में एक विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया, जो नबालिग वर्ग के बच्चों के पता तलाश की दिशा में राज्य का व्यापक अभियान है। पुलिस M2यालय के निर्देशानुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में दिनांक ०१.०७.२५ से ३१.०७.२५ तक ऑपरेशन मुस्कान चलाया गया। इस अभियान के लिए श्री अभिषेक झा, अति. पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण नोडल अधिकारी द्वारा प्रत्येक थानों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर टीम गठित की गई एवं श्री अजय सिंह, उप पुलिस अधीक्षक कांईम/सहायक नोडल अधिकारी द्वारा तकनीकी सहायता से जानकारी दिया गया। गुमशुदा की पतासाजी हेतु सोशल मिडिया एवं संचार साधनों के बेहतर उपयोग सहित अनेक दिशा-निर्देश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा दिये गये।

अभियान के दौरान सर्वप्रथम गुम हुए प्रत्येक बच्चों के घर पर जाकर उनके परिजनों, रिश्तेदार एवं मित्रों से सम्पर्क करते हुए हर एक प्रकरण की समीक्षा करने के उपरांत रणनीति बनाकर टीम का गठन कर ऐसे संभावित स्थान पर भेजा गया जहाँ गुम बच्चों के मिलने की संभावना थी। आपरेशन मुस्कान के तहत न केवल प्रदेश के भीतर बल्कि पूरे भारत वर्ष में पुलिस टीमों को भेजकर ३१ बालक, १५० बालिका इस प्रकार कुल १८१ गुम बच्चों को सकुशल बरामद किया गया है, जिसमें से २८ बालक एवं बालिका को विभिन्न राज्यों क्रमशः महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़िसा, राजस्थान, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, तेलगांना, एवं आंध्र प्रदेश से सकुशल बरामद कर विधिसम्मत उनकी घर वापसी कराई गई। राज्यभर में व्यापक स्तर पर चलाये गये अभियान में सर्वश्रेष्ठ कामयाबी हासिल करते हुए दुर्ग पुलिस द्वारा प्रथम स्थान पर रहकर १८१ बालक एवं बालिकाओं को बरामद करने में सफलता अर्जित की गई है।

CMYK